साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

# समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 | अंक 51 | प्रति सोमवार इंदौर, 22 जुलाई से 28 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

# अमेरिकी माइक्रोसॉफ़्ट का सर्वर बंद होना अच्छा संकेत

## विश्वव्यापी आभासी संचार तंत्र का मकड़जाल कर रहा पीढ़ी को बेरोजगार, बर्बाद

**महीने में 10-5 घंटे, तिमाही में 1-2दिन, हर साल 25-50 दिन के लिए होना चाहिए खराब और होगा ताकि युवा पीढ़ी को वास्तविकता ज्ञात हो**

विश्व भर में फैले हुए अमेरिकी संचार तंत्र इंटरनेट के मकड़जाल का माइक्रोसॉफ्ट का इंटरनेट का विंडो 10-11 और उसका क्लाउड कंप्यूटिंग 19 जुलाई को बैठ गया था। जिससे दुनिया भर में बैंकिंग सिस्टम के बैठने से अरबों लेनदेन बाधित हुए। यह बहुत ही अच्छा हुआ माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर ठप्प हो गया। लगभग पूरी दुनिया में इंटरनेट के मकड़जाल में उलझी कंप्यूटराइज्ड हवाई अड्डा विमान संचालन की प्रणाली और उससे जुड़ी हुई 5000 से ज्यादा उड़ाने भी बाधित हो गईं। इसे हर महीने में दो-चार घंटे के लिए, हर त्रैमासिक में 25-50 घंटे के लिए बंद होते रहना चाहिए। ताकि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का ऑनलाइन सारा व्यापार खरीद बिक्री से लेकर रेलवे विमानों स्वचालित फैक्ट्रियों का भुगतान संचालन हवाई जहाजों से लेकर बड़ी2 फैक्ट्रियों शापिंग माल्स आदि का संचालन आदि सब ठप्प पड़ गये। यह बहुत अच्छा हुआ बेशक परेशानियां हुई। ताकि हमारी वर्तमान पूरी जो हर चीज के लिए खरीदी बिक्री करने से लेकर रास्ते ढूंढने पढ़ाई करने आदि के लिए इंटरनेट पर निर्भर हो गई है। हमारे चारों तरफ मोबाइल इंटरनेट स्मार्ट वॉच क्यूआर कोड एटीएम, पेटीएम भुगतान खरीद बिक्री हम चारों तरफ से संचार क्रांति के में घेरे जा चुके हैं। हमारी सांसे पैदल चलना आना जाना बातचीत खाने पीने उठने बैठने हम टीवी पर देख कर देख रहे हैं हमारे घर में क्या-क्या है? कौन क्या बातचीत कर रहा है? कौन रिश्तेदारी है? सब पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की निगरानी व कब्जा है। हमारी वर्तमान व आने वाली पीढ़ीयां पूरी तरह से इंटरनेट के मकड़जाल में उलझी व निर्भर हो चुकी है। सबका भ्रम टूट जाए। अगर इंटरनेट की दुनिया से खत्म हो जाएतो। अभी 5 करोड लोगों को सरकारी विभागों व निजी क्षेत्र में उद्योग धंधों व्यवसायियों को रोजगार देना पड़ जाएगा।

(शेष पेज 6 पर)

**केंद्रीय बजट 2024-25 :** झूठे आंकड़ों की बाजीगरी, समय पूर्व कर देंगे खत्म सत्र

# जनता को आय व अन्य करों में राहत दें ताकि बढ़े क्रय शक्ति

## इतिहास दोहराते हुए जनता को नोंच पूंजीपतियों को सौंप का किया जाएगा तांडव

**भारत सरकार की वित्त मंत्री सीतारमण बजट 24 25 प्रस्तुत करने जा रहे हैं. देश में 50 करोड लोग बेरोजगार हैं। वैसे वर्तमान को देखते हुए आयकर की सीमा को 10 लाख रुपए किया जाना चाहिए। ताकि जनता को निवेश व उपभोग के लिए ज्यादा पैसा मिले। ज्यादा पैसा उद्योगों व्यापार शिक्षा भवन निर्माण क्रय आदमी निवेश के साथ ज्यादा उपभोग पर भी सरकार को 15 सबसे ज्यादा वस्तुओं पर जीएसटी में लौट कर ज्यादा कर मिलेगा।**

शिक्षा स्वास्थ्य सड़कों के नाम पर भी जो लूट मची हुई है। उसे तत्काल रोका जाना चाहिए इसके लिए सरकार को सरकारी शिक्षण, चिकित्सा संस्थाओं की बेहतर सुविधाओं के साथय थार्थ में बेहतर कर्मचारियों की आवश्यकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों के नाम से पेट्रोल डीजल गैस विद्युत व अन्य सरकारी सेवाओं के साथ वस्तुओं पर भी 2% उपकर लगाया जा रहा है। जिससे लाखों करोड़ की वसूली हर वर्ष की जा रही है। बदली में जनता को इन सभी शुल्क सेवाओं का भरपूर उपयोग करने का अवसर देना चाहिए। जबकि अभी उपकर से प्राप्त धन का उपयोग केवल आदर्श संरचना भवनों आदि के निर्माण में कई गुना ज्यादा की डीपीआर बनवा कर मोटा कमीशन खाकर करवाया जा रहा है इसके बाद में भी किसी भी निर्माण की गुणवत्ता इतनी अच्छी नहीं है कि वह वर्षों तक जनता को सेवाएं दे सकें।

### बजट 2024 की उम्मीदें

जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2024 नजदीक आ रहा है, विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों और वित्तीय आवंटन की उम्मीदें बढ़ रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पारंपरिक 'हलवा' समारोह में हिस्सा लिया, जो केंद्रीय बजट 2024-25 की तैयारी के अंतिम चरण को चिह्नित करता है। बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाना है। प्रस्तुति से पहले, 'हलवा' तैयार किया जाता है और बजट की तैयारी में शामिल वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है। 17 जुलाई 2024, 10:26:12 इश घ्रऊ बजट 2024 की अपेक्षाएँ: कृषि क्षेत्र की अपेक्षाएँ बेस्ट एग्रोलाइफ़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विमल कुमार ने कहा, 'जैसा कि भारत केंद्रीय बजट 2024 की तैयारी कर रहा है, सरकार के लिए कृषि रसायन क्षेत्र का समर्थन करने के लिए निर्णायक कदम उठाना अनिवार्य है, क्योंकि खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ कृषि सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। चीन से आयात पर हमारी भारी निर्भरता स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) लाभों को लागू करने की आवश्यकता को उजागर करती है।'

(शेष पेज 2 पर)

साप्ताहिक समय माया

## जीएसटी की धारा 68, 71 में दिए जाएं जांच के अधिकार

# 40 नाकों को चालू कर रोको कर अपवंचन

### आखिर बहुराष्ट्रीय कंपनियों व बड़े पूंजीपतियों के माल पर जीएसटी की छूट क्यों?

देश में जीएसटी लगाए 2570 दिन से ज्यादा हो गए। और उसमें पूंजीपतियों कोबचाने और छोटे व्यापारियों उद्योगों को नष्ट करने के लिए उन्हें फंसाने उलझाने अभी तक जीएसटी काउंसिल ने 7000 से ज्यादा संशोधन कर दिए। जबकि इन संशोधन में छोटे व्यापारियों उद्योगों को कर को सुविधाजनक तरीके से जमा करने के लिए कर प्रणाली को सरल बनाया जाना चाहिए था। और इसके विपरीत जहां पूंजीपतियों कोलाभ कम होता दिखता है या किसी माल पर अपना नियंत्रण करना होता हैतो उससे संबंधितकर प्रणाली को आप अधिक बनाने और किसी के ना समझ में आने के लिए जानबूझकर जीएसटी काउंसिल को बहुराष्ट्रीय कंपनियां और बड़े पूंजीपति सलाह देकर उसको उलझने का काम करते हैं जबकि 2600 दिन में क्योंकि उसके पूर्व से ही विक्रय वाणिज्य कस्टम व एक्साइज कर बालों की 3 महीने पूर्व से ही पूरे देश में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा था अर्थात 2600 दिन से ज्यादा समय में भीन केवल विभागीय कर्मचारी अधिकारी से लेकर सहायक उपयुक्त आयुक्त और जीएसटी काउंसिल भी वास्तविकता में घर प्रणाली की उलझन भरी पर्चियां को समझने में नाकाम रही है और उसके बाद में भी भाई छोटे व्यापारियों उद्योगी आदि को डराने धमकाने समय पर्यटन जमाना करने अनेकों रिटर्न जमा करने विलंब हो जाने पर दंड ब्याज और चोरी पकडे पाए जाने पर उन्हें जेल की हवा खिलाने की व्यवस्था भी कानून में की गई है। इसके विपरीत जैसा कि मैं पिछले 20 सालों से लिख रहा हूं की 1965 के बाद इस देश में कोई भी कानून जनता छोटे व्यापारियों उद्योगों के हित के लिए नहीं वरन बड़े बहुराष्ट्रीय कंपनियां बड़े पूंजी व उद्योगपतियों व्यापारियों के मोटे लाभ और उनके हितों के लिए बनाए जाते हैं। जिसका पुराने कानून के इतिहास और लागू करने के पद्धतियों का सूक्ष्म अध्ययन करने पर स्पष्ट हो जाएगा। वही

पदभार संभालने के बाद धनराजू से मिले कर सलाहकारों के संगठन, रखी अपनी बात

वाणिज्यिक कर आयुक्त बोले- छापा नहीं, सिस्टम में बदलाव हो

नए आयुक्त ने एक सप्ताह बाद मिलने को बुलाया

हाल माल एवं सेवा कर के कानून में भी हुआ। इसके बारे में मैं सन 2006 से लगातार लिख रहा था। जिस कानून का उद्देश्य बड़े व्यापारियों को मोटा लाभ पहुंचाना छोटे मध्यमवर्गीय व्यवसायों उद्योगों धंधो को खत्म करना ही हो। तो वहां तो 7 साल क्या 70 साल के बाद में भी पूंजी पतियों के इशारे पर जीएसटी में संशोधन किए जाते रहेंगे। जबकि भारत सरकार का वित्त मंत्रालय स्वयं मानता है की 33% जीएसटी निर्धन लोगों से 64% जीएसटी मध्यमवर्गीय लोगों से आता है मात्र 3% जीएसटी ही उच्च धनाढ्य चुकाते हैं। जबकि पिछले 10 साल से मोदी सरेआम जनता का अपमान करते हुए चिल्लाता रहा है की देश के अंदर 15 करोड़ से ज्यादा वाहन हैं। और आयकर चुकाने वाले दमें मात्र 2% है। परंतु जीएसटी की वेबसाइट है स्वीकार करती है की 97% जीएसटी की वसूली जो डेढ़ से 2 लाख करोड रुपए प्रतिमाह है। फिर मोदी की खास अडानी अंबानी चुनाव जीएसटी चुकाते हैं ना आयकर और ना कॉरपोरेट टैक्स। दूसरी तरफ मोदी की 10 साल की सत्ता में लगभग 2 करोड़ से ज्यादा छोटे धंधे रोजगार दुकान उद्योग मोदी की सफाई कैशलेस नोटबंदी जीएसटी और तालाबंदी में खत्म समाप्त कर दिए गएऔर आज 40 करोड लोग इन विदेशी अमेजॉन वॉलमार्ट गूगल के साथ 2 अडानी अंबानी के साथमें टाटा बिरला आईटीसी युनिलीवर जैसे पूंजीपतियों को पालने पोषने में बेरोजगार बनाकर घर बैठा अब 100 करोड लोगों को रु.1 किलो का गेहूं दो रुपए का चावल खिलाया जा रहा है। दूसरी तरफ विश्व घातक संगठन के थोपे गए कानून खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 06 के अंतर्गत सारी खाद्य वस्तुओं को पैकेज करने के षड़यंत्र में अब शहरों के शॉपिंग मॉल से गली मोहल्ले की किराना दुकानों से लेकर छोटे गांवों की दुकानों में पैकेट बंद सामग्री मनमानी कीमत पर बैची जा रही है। जैसे की रु.10 किलो का आलूगांव की दुकानों पर ही रु.2000 प्रति किलो पेकेट बंद कर चिप्स बना, 50-60 रु किलो का खड़ा मूंग रु.120 से 150 प्रति किलो बेंचा जा रहा है। जिस पर जीएसटी भी नहीं चुकाया जा रहा। तो वाणिज्य कर की 6 एंटी इवेजन ब्यूरो की टीमों को धारा 68, 71 के अंतर्गत वाहनों की जांच करने के अधिकार क्यों नहीं दिए जाने चाहिए। साथ 40 नाकों को भी वाणिज्य कर की जांच चौकियां खोल राज्य में प्रवेश करने वाले सारे माल वाहकों की जांच कर, कर अपवंचन रोका जाना चाहिए। फिर जैसा की नए आयुक्त दक्षिण भारतीय धनराजू के सामने कर सलाहकारों ने व्यापारियों भवन निर्माता उद्योगों पर छापे मार कार्रवाई करने से रोकने के लिए कहा है जैसा की भास्कर ने छापा।

# जनता को आय व अन्य करों में राहत दें ताकि बढ़े क्रय शक्ति

**पेज 1 का शेष**

''इसके अतिरिक्त, घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे माल पर आयात शुल्क बढ़ाने से इस वृद्धि को और बढ़ावा मिल सकता है। जीएसटी दरों को मौजूदा 18% से घटाकर 5% करने से किसानों की लागत कम होगी, जिससे उनकी आय और समग्र कृषि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। प्रोत्साहन प्रदान करने से सूक्ष्म उद्यमियों को 'ड्रोन एज़ ए सर्विस' और उन्नत मशीनरी के उपयोग जैसी पहलों के माध्यम से आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, नकली और मिलावटी सामग्रियों से निपटने के लिए कड़े उपाय लागू करने से भारत में कृषि रसायनों की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।'

### बजट से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का दृष्टिकोण

'हालाँकि सरकार ने हाल के वर्षों में स्वास्थ्य सेवा व्यय में वृद्धि की है, लेकिन यह बांग्लादेश और भूटान जैसे पड़ोसी देशों की तुलना में कम है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के अनुसार, सरकार का लक्ष्य 2025 तक स्वास्थ्य सेवा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के 2.5% तक बढ़ाना है। इसे प्राप्त करने के लिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए आवंटन में वृद्धि महत्वपूर्ण है।

हमारी बड़ी आबादी को देखते हुए, संगठनों और स्टार्टअप के साथ सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण और निगरानी में सुधार हो सकता है। ये तकनीकी प्रगति आशा नेटवर्क, सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, एम्बुलेंस सेवाओं और बीमा वितरण के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं को लाभान्वित कर सकती है।

प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जैसी सरकारी योजनाओं के बावजूद, जेनेरिक दवाओं तक भारत की पहुँच सीमित बनी हुई है। इस सीमा में दो कारक योगदान करते हैं: स्रोत पर गुणवत्ता नियंत्रण और प्रिस्क्रिप्शन कानून प्रवर्तन की कमी।

भारत के IT क्षेत्र के विकास और विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। डिजिटलीकरण और तकनीकी उन्नति पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए क्योंकि यह फिनटेक, रिटेल और ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य और फार्मा, रियल एस्टेट, विनिर्माण और रसद, दूरसंचार आदि जैसे विविध उद्योगों में अपार नवाचार को बढ़ावा देगा। प्रतिबद्धता R&D को बढ़ावा देने और एक कुशल कार्यबल को पोषित करने की होनी चाहिए क्योंकि वे निरंतर आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे और सॉफ्टवेयर विकास, साइबर सुरक्षा और डिजिटल समाधान जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर भारतीय IT उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देंगे, विदेशी मुद्रा आय के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों और साझेदारियों को आकर्षित करेंगे। इसके अलावा, बजट में स्थिरता पर जोर दिया गया है, जिससे उद्योगों को परिवर्तनकारी, पर्यावरण के प्रति जागरूक समाधानों के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है। एग्रीटेक, इलेक्ट्रिक वाहन, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों को समर्थन देने की पहल में बहुत संभावनाएं हैं, इन क्षेत्रों में नवाचार करने के लिए सहयोगी अवसरों की कल्पना करना क्योंकि इसमें विदेशी निवेश और भागीदारी को आकर्षित करने का अवसर है, जिससे भारतीय आईटी कंपनियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय विस्तार की सुविधा मिलती है।

### फार्मा सेक्टर की उम्मीदें

केंद्रीय बजट 2024 से हमारी उम्मीदें विशेष रसायन क्षेत्र के विकास को बनाए रखने और बढ़ाने पर केंद्रित हैं, जो वर्तमान में एक सुनहरे युग का अनुभव कर रहा है। भारतीय कंपनियां अब वैश्विक स्तर पर पसंदीदा भागीदार हैं, और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल बहुत अवसर प्रदान करती हैं।

### हमें उम्मीद है कि बजट में ये शामिल होंगे:

1. कैपेक्स के लिए तेज़ स्वीकृति: निजी क्षेत्र के निवेशों को समय पर प्राप्त करने के लिए पूंजीगत व्यय परियोजनाओं के लिए स्वीकृति प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, जो बुनियादी ढांचे और क्षमता विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है।

2. आरएंडडी के लिए प्रोत्साहन: नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आरएंडडी के लिए कर छूट, अनुदान और वित्तपोषण सहायता प्रदान करना। इससे उन्नत रासायनिक प्रक्रियाओं और उत्पादों को विकसित करने, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

3. आयातित सामग्रियों तक आसान पहुँचः उत्पादन लागत कम करने, भारतीय विशेष रसायनों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए आवश्यक कच्चे माल और मध्यवर्ती पर आयात बाधाओं और शुल्कों को कम करना।

4. निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना: निर्यात सब्सिडी, निर्यात-उन्मुख इकाइयों के लिए कर राहत और नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने में सहायता प्रदान करना। यह हमारे निर्यात ढांचे को मजबूत करेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर निरंतर मांग और विकास सुनिश्चित होगा।

ये उपाय वर्तमान गति का समर्थन करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि विशेष रसायन उद्योग फलता-फूलता रहे और भारत की अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान दे।

स्टील सेक्टर का आउटलुक विभोर स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विभोर कौशिक द्वारा स्टील सेक्टर पर बजट की उम्मीदें 'पिछले एक दशक में, भारत निर्माण, बुनियादी ढांचे और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उछाल के कारण स्वस्थ गति से आगे बढ़ रहा है, जिसने बदले में घरेलू स्टील क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा संकेत दिया है।

हमें उम्मीद है कि इस बजट में निर्माण और बुनियादी ढांचे दोनों के लिए अधिक फंड आवंटन के साथ, स्टील उत्पादों की मांग आगे भी मजबूत रहेगी। इस साल के बजट में निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बढ़े हुए फंड के साथ, स्टील की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। स्टील उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर कर कम करने से स्थानीय स्टील कंपनियों को लाभ होगा, जबकि चीनी स्टील पर आयात शुल्क बढ़ने से हमारे घरेलू उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे।'

'केंद्रीय बजट 2024 में, उन पहलों को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण होगा जो सतत विकास को बढ़ावा देती हैं। निवेश को अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं, हरित बुनियादी ढांचे और टिकाऊ कृषि पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक और अच्छा कदम अक्षय ऊर्जा घटकों पर लगाए गए जीएसटी में कमी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, स्थिरता के क्षेत्र में कौशल और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रावधान किए जाने चाहिए'। केंद्रीय बजट 2024 में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए निवेश और अनुसंधान एवं विकास निधि में वृद्धि का आग्रह किया स्पेसफील्ड्स के सीईओ अपूर्वा मासूक ने कहा, 'विकसित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण कई दशकों में संप्रभु द्वारा बड़ी रकम के निवेश के माध्यम से किया गया है।

हाल ही में संस्थागत अंतरिक्ष नीति और अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश मानदंडों का उदारीकरण सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और हमें उम्मीद है कि आगामी केंद्रीय बजट इस दिशा में निर्माण जारी रखने का इरादा रखता है। इस क्षेत्र में स्केल-अप जोखिम और उत्पादन जोखिम अभी भी बड़े पैमाने पर हैं, जिसके लिए न केवल दीर्घकालिक धैर्यवान पूंजी और जोखिम उठाने की क्षमता की आवश्यकता है, बल्कि मांग सृजन और सुनिश्चित खरीद चैनलों की भी आवश्यकता है।'

मुंबई के टेक उद्यमी संघ ने केंद्रीय बजट 2024-25 में बेहतर फंडिंग, कर प्रोत्साहन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग की मुंबई के टेक उद्यमी संघ के रूप में, हम आगामी केंद्रीय बजट का इस उम्मीद के साथ इंतजार कर रहे हैं कि यह हमारे स्टार्टअप इकोसिस्टम को काफी हद तक मजबूत करेगा।

## विद्युत कंपनियों का षड्यंत्रकारी डकैती का खेल

# इलेक्ट्रॉनिक व स्मार्ट मीटर दिखा रहे 2 से 10 गुनी ज्यादा खपत

**बिलिंग उपभोक्ता मीटर 15 से 22 डिग्री से. में काम करते हैं। ज्यादा तापमान होने पर कई गुना खपत दिखा रहे। 1 पंखा, 1 बल्ब 1 फ्रिज, 2 घंटे कंप्यूटर का ठंड में बिल 80-85 गर्मी में 195 यूनिट**

अटल बिहारी की भुखेरा जन पार्टी की सरकार का सरकारी मंडलों, निगमों, कंपनियों, सहकारी संघों को विश्व घातक व्यापार संगठन से मोटा पैसा खाकर जनता को लूटने जब पर डकैती डालने जो निजीकरण का खेल शुरू किया गया था उसके परिणाम सामने हैं और इसी कड़ी में देश के राज्यों के मंडलों को कंपनियों में बांट दिया गया था बेशक तमिलनाडु बंगाल जैसे कई राज्यों ने केंद्र सरकार की यह बात नहीं मानी और अभी भी उनके राज्यों के विद्युत मंडल चल रहे हैं। प्रदेश में सन 2002 में विद्युत मंडल को बांट कर जो कंपनियां बनाई गई। इन कंपनियों में देश के महाधूर्त घोर जालसाज जो एक स्नातक पाठ्यक्रम कला विज्ञान वाणिज्य या अन्य किसी पाठ्यक्रम की त्रैवर्षीय परीक्षाएं येन केन प्रकारेण उत्तीर्ण करने के बाद, भारतीय संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक अधिकारियों की प्रवेश व मुख्य परीक्षा सफल कर साक्षात्कार दे। प्रशासनिक अधिकारी बन जाते हैंजो धीरे-धीरे देश की जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी बनने से लेकर सहायक उप व जिलाधिकारी, आयुक्त, प्रधान सचिव मुख्य सचिवकेंद्र व राज्य सरकारों के सभी मंत्रालय से लेकर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति भवन तक संभालते हैं। जो हर सरकारी कार्यों योजनाओं में मोटी डकैती डालने और लुटने के खेल में विशेषज्ञ हो जाते हैं उन्हीं को इन कंपनियों को बर्बाद करने और चौपट करने का खेल सौंप दिया जाता है। चाहे उन्हें उन कंपनियों की तकनीकी व व्यवसाय की एबीसीडी नहीं आती हो। परंतु प्रबंध संचालक बनकर खरीदी बिक्री व्यवसाय में पिछले 22-24 सालों से हर वर्ष हजारों करोड़ों की डकैती डाल पूरे विद्युत मंडल की उत्पादन, पारेषण, वितरण की व्यवस्थाओं को जो पूर्व में सुचारू रूप से चल रही थी हैं। एक तरफ उपभोक्ताओं को लूटने के लिए नये नये षड़यंत्र कर रहे हैं। तो दूसरी तरफ सारे अधो संरचनाओं को बर्बाद करने पर तुले रह लाभ का मार्जिन हजम कर घाटा दिखा मोटे कमीशन पर पूंजीपतियों को सौंपने और बेंचने पर तुले हैं। और वर्तमान में मध्य

**Madhya Pradesh Paschim Kshetra Vidyut Vitran Company Ltd.**
G.P.H. Compound, Pologround, Indore (M.P.)
(Wholly Owned by Govt. of M.P.)
GST No. 23AADCM7397N1ZU CIN No. U40109MP2002SGC015121 Call Centre No. 1912 https://www.mpwz.co.in

Security Deposited: INR 1095.00
Security Deposit Pending: INR 0.00
**Total Amount Payable Till Due Date: NFP****
**Total Amount Payable After Due Date: NFP****
**Due Date: 08-07-2024**

**Consumer No. N3968015206** ( MMZ16 - 13 )
Purpose: Domestic light and fan
**Mr./Ms. THE EXCUTIVE ENGINEER**
.., 1 B DN GR NO Q 3 L.I.G COLONY INDORE, .
Mobile No. 94*****569
Email Id:

Connection Type: Domestic ( LV1.2 ) URBAN
Sanctioned Load: 1.0 KW Phase: SINGLE
Meter serial No: MIGVSNTCMTR3011389-3984044000
**DC / Zone: Malwa Mill Zone**
Division: indore north
Feeder Code: 8022732501
DTR Code: MML0000218

Customer Care Details
**Call Centre No. 1912**
A.E.: NIKHIL KUMAR MALWA ( 7312436860 )
E.E.: Vinay Pratap Singh ( 7312556834 )

Bill No. JUN24N007636124
**Bill Month: JUN-2024**
Billing Date: 28-06-2024
Bill Type: Actual Bill Read Type: NORMAL

**Reading Detail**

| Current Reading | Current Reading Date | Previous Reading | M.F. | Metered Unit Consumption | Assessed Units | Final Consumption | Average Unit Per Day |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8858.00 | 26-06-2024 | 8663.00 | 1 | 195.00 | 0.00 | 195.00 | 5.27 |

**Last Payment Detail**

| Bill Month | Amount Paid | Payment Reference No. | Payment Date |
|---|---|---|---|
| MAY-2024 | 543 | HDBPS2505202433013 | 25-05-2024 |
| | 0 | | |

**Last Six Months Consumption**

| Bill Month | Date | Reading | Unit |
|---|---|---|---|
| MAY-2024 | 20-05-2024 | 8663 | 150 |
| APR-2024 | 20-04-2024 | 8513 | 121 |
| MAR-2024 | 26-03-2024 | 8392 | 104 |
| FEB-2024 | 26-02-2024 | 8288 | 85 |
| JAN-2024 | 26-01-2024 | 8203 | 97 |
| DEC-2023 | 22-12-2023 | 8106 | 81 |

| Billing Details | Amount in INR |
|---|---|
| Energy Charges | 974.13 |
| Fuel and Power Purchase Adjustment Surcharge | 36.94 |
| Fixed Charge | 351.00 |
| Electricity Duty | 107.00 |
| Additional SD Installment | 0.00 |
| Other Charges | 0.00 |
| Current Month Bill Amount | 1469.07 |
| **M.P. Govt. Subsidy Amount** | **0.00** |
| Interest On Security Deposit (-) | 7.47 |
| CCB Adjustment | 0.00 |
| Lock Credit / Employee Rebate (-) | 0.00 |
| Previous Month Delayed Payment Surcharge | 0.00 |
| Online / Advance Payment Incentive (-) | 5.00 |
| **Current Month Bill Amount** | **1457.00** |
| Old Dues / Arrear | |
| Amount Received | 1457.00 |
| **Total Amount Payable** | **0.00** |

म. प्र. शासन द्वारा आस्थगित राशि (आस्थगित राशि पर कोई अधिभार देय नहीं होगा)
**Amount deferred by Govt. of M. P.** (No surcharge payable on deferred amount) **Rs 1526.00**
Save Energy For Better Tomorrow NFP**: Not For Payment
Thu Jul 18 18:58:31 IST 2024 NGB-Report v15 1.1.8 1/1

प्रदेश विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड को मोदी की अडानी को बेंचा जा चुका है। जिसमें भाई मध्य प्रदेश में बनने वाली लगभग 10 से 20 हजार मेगावाट बिजली जो सौर और पवन ऊर्जा से खरीदी जा रही है।

10 से 20 हजार मेगावाट बिजली प्रतिदिन उसे परेशान कंपनी के माध्यम से चोरी करके पाकिस्तान को बेची जा रही है। इसके बारे में दिसंबर 2021 में भास्कर ने छापा था कि पाकिस्तान को अडानी 8000 करोड़ वोट प्रतिमाह की बिजली बेंच रहा है। जब अडानी के पास कोई पावर प्लांट नहीं है और मुद्रा पावर प्लांट सन 2016 से बिकने की तैयारी में खड़ा था। फिर दूसरी तरफ मध्य प्रदेश में लगभग 16 हजार मेगावाट बिजली जल से 12 हजार मेगावाट बिजली ताप से पैदा हो रही है। जबकि पूरे मध्य प्रदेश का उपभोग ही 20 से 22000 मेगावाट प्रतिदिन है। इसके साथ ही लगभग 20से 30 हजार मेगावाट बिजली पवन और सौर ऊर्जा से भी खरीदी जा रही है। तो बची हुई सारी बिजली कहां जा रही है? जबकि जल और ताप की बिजली मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के पुराने उत्पादन केंद्रों से ही प्राप्त हो रही है। उसका प्रदेश की जनता को क्या लाभ मिल रहा है जबकिजल विद्युत मंत्र 20 से 25 पैसे प्रति युनिट और ताप विद्युत जो कोयल से बनती है मंत्र 60 से 70 पैसे प्रति युनट पड़ रही है। बेशक यहां भी 67000 प्रति टन का कोयला महाधूर्त अडानी से खरीदने पर 30 से 32000 रुपए प्रति टन खरीदा जा रहा है। जो अदानी के माध्यम से सीधा मोदी की जेब में जा रहा है। इसलिए जान बूझ कर जबरदस्ती वह कोयला खरीदने के लिए विवश किया जा रहा है जो भारत का ही है।

जनता को लूटने के लिए वितरण का काम भी अडानी के हवाले किया जा चुका है। जिसमें स्मार्ट मीटर का काम उसने एलएंडटी को दे दिया है।

सन् 2002 से ही विद्युत वितरण कंपनियों ने तब ही से विद्युत नापने की उपभोक्ता चकरी वाले मेकेनिकल मीटर को षड़यंत्र पूर्वक हटाकर जो देश के विभिन्न हिस्सों के अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेंटीग्रेड पर भी सही खपत दिखाते थे। बदले में 150-200 रु के इलेक्ट्रनिट मीटर की खरीदी 950 प्रति मीटर के हिसाब से कर हजारों करोड़ हजम करने का लंबा खेल किया। इलेक्ट्रॉनिक मीटर जो मात्र 22 डिग्री सेंटीग्रेड पर ही सही बिजली खपत दिखाता है। वह मी भी लगभग 50% तेज थे। ज्यादा तापमान बढ़ने पर वह फिर उछल कूद करके कई गुना ज्यादा रीडिंग दिखाना शुरू कर देता है। जहां मैं रहता हूंवहां का इलेक्ट्रॉनिक मीटर जो ठंडों में 81-85 खपत दिखा रहा था उतने ही उपभोग पर वह मई में 195 यूनिट दिखा रहा है। इसके साथ ही आप जानते हैं अक्टूबर 2022 से इन जालसाज हरामखोर षड़यंत्रकारी मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नाम बिल देना बंद कर दिए ताकि यह कुछ भी उसमें बिल दिखाएं कई गुना रीडिंग दिखाएं जैसे की संबंधित बिल में 195 यूनिट का 974 रु. 13 पैसा मनमाना शुल्क थोप शुल्क के ऊपर भी ऊर्जा शुल्क के साथ ईंधन एवं शक्ति क्रय समायोजन अधिभार रु. 36.94 पैसे थोपा गया। फिर उसे पर निश्चित प्रभार 351 रुपए ठोका गया इस लूट के ऊपर अगली लूट विद्युत कर या ड्यूटी रु. 107 ठोक दी गई। इस प्रकार चालू महीने का शुल्क 1499.07 पैसे ठोका गया।

अब आप समझ सकते हैं कि जब आपका 100 यूनिट से कम बिल ही नहीं आएगा और जहां 30-40 मिनट का बिल आना चाहिए था वहां वह 195 यूनिट बिल दिखाएगा तो आपको किस प्रकार की छूट दी जाएगी। यह मात्र मेरा व्यक्तिगत अनुभव है जबकि मैं अकेला हूं स्वाभाविक सी बातें एक बलवर एक पंखा मेरे लिए काफी है परंतु सभी पारिवारिक घरों में जहां प्रकाश के लिए बल्ब जो कि आप घरों में मात्र 8 से 15 वाट के लगाए जाते हैं। टीवी कंप्यूटर मिक्सी वाशिंग मशीन हॉट प्लेट पंखे मोटरें कूलर मोटर पंप ऐसी आदि लगे होते हैं कल्पना की जा सकती है जिनका जो बिल 1000-2000 आना चाहिए वह 5 से 8000 लूटा जा रहा है और 100 यूनिट बिजली फ्री देने का जो षड्यंत्र है। जब बिल ही नहीं आएगा केवल पैसे बताए जाएंगे तो समझा जा सकता है की मात्रा 100 युनिट का मुफ्त का फायदा



मात्र 1 से 2% लोगों को ही मिल पा रहा होगा बाकी सब को तो 10 से 20 गुना वसूली करके उसे कई गुना ज्यादा वसूली की जा रही है और मुफ्त का फायदा भी केवल चुनाव जीतने का षड्यंत्र था यथार्थ में तो लूट कंपनियों में चारों तरफ मची हुई है। सूत्रों के अनुसार जो स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं। उसमें से सभी स्मार्ट मीटर 10 से 300% तक ज्यादा तेज चलने के साथ मात्र 18 20 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर ही काम करते हैं। लगभग स्मार्ट मीटर की खरीदी में 40% मीटर पूरी तरह से खराब होने के साथ उनकी स्क्रीन केवल काली दिखती है। इसके बाद में भी कई गुना लूट जारी है। अब यह हरामखोर जितने भी वितरण के दो पर बैठे सहायक यंत्री कार्यपालन यंत्री किसी भी बिल में कोई समायोजन नहीं कर सकते जो रीडिंग आई है उसका भुगतान करना ही पड़ेगा पर हरामखोर चांडाल ऊर्जा मंत्री प्रधान सचिवों से लेकर सभी वितरण कंपनियों के एचडी और सभी वितरण कंपनियों के मुख्य अभियंता अधीक्षण यंत्री संभागीय यंत्री यह बताएंगे कि जब तुमने मीटर में ही बदमाशी के साथ खरीदी की है जिसका बिल मात्र 30-40 यूनिट आना चाहिए। वह 195 यूनिट दिख रहा है जब तुम्हारे मीटर ही खराब है। षडयंत्र पूर्वक तरीके से जब आपको मालूम है कि देश का सामान्य तापमान 35 से 45 डिग्री होता है तो अपने 20-22 सेंटीग्रेड डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर काम करने वाले मी खरीदे क्यों क्योंकि मोटर कमीशन मिल रहा था और शरण से पूर्वक तरीके से मी बनवाये ही ऐसे गए। ताकि जनता को लूटा जा सके यही कारण है कि जब 100 वाट के 5 बल्ब, दो-तीन पंखे मिक्सी कूलर 500 से 1000 वाट के चलते थे। तब महीने भर की रीडिंग भी सौ- डेढ़ सौ युनिट आती थी। अब जब 5 बल्ब जो 7 से 12-14 वाट के होते हैं। पंखे जो ढाई सौ वाट के होते हैं। टीवी टीवी आदि चलते हैं तो वही 200 से 300-400-500 यूनिट तक आने लगी है। एक तरफ जनता को लूटा जा रहा है तो दूसरी तरफ वहां काम करने वाले कर्मचारियों कोजो अधिकांश 70% तक ठेके और संविदा पर काम करने वाले हैं उनको भी 16 घंटे काम करवा कर पूरा भुगतान नहीं किया जाता दूसरी तरफ यह हरामखोर एमडी, मुख्य अभियंता से लेकर उपयंत्रियों तक सब जनता कॉलोनी परेशान करने और मोती वसूली करने में जुटे हुए हैं। आखिर कांग्रेस इन सब विद्युत कंपनियों की विसंगतियों के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाती। आखिर यह निश्चित शुल्क के नाम परऔर ईंधन व शक्ति करे समायोजन के नाम पर किस प्रकार की और क्यों और कैसी वसूली कर रही है डकैती तुम डालो लूटो तुम और उसका भुगतान जनता करें आखिर क्यों?

साप्ताहिक समय माया

# शुभ योग में सावन की शुरूआत...

**इस बार सावन पर काफी अद्भुत संयोग बन रहे हैं। सावन इस साल विशेष इसलिए भी है क्योंकि सावन के महीने की शुरुआत सोमवार से ही हो रही है। हिन्दू धर्म में वैसे तो सभी महीनों का विशेष महत्व है लेकिन सावन का महीना बेहद खास माना जाता है। श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित होता है। मान्यता है सावन के महीने में की जो भी पूजा पाठ की जाती है उसका विशेष फल प्राप्त होता है। इस बार सावन पर काफी अद्भुत संयोग बन रहे हैं। सावन इस साल विशेष इसलिए भी है क्योंकि सावन के महीने की शुरुआत सोमवार से ही हो रही है। इतना ही नहीं इस बार सावन में विशेष योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं कब से शुरू हो रहा है सावन का महीना और इस बार सावन में कितने सोमवार होंगे।**

## कब से शुरू हो रहा है सावन?

सावन के महीने का आरंभ 22 जुलाई 2024, सोमवार से हो रहा है और इसका समापन 19 अगस्त 2024 को होगा। इस बार सावन के महीने में पांच सोमवार पड़ेंगे जो बेहद शुभ माने जाते हैं।

## शुभ योगों का संयोग

22 जुलाई को सावन के आरंभ होते ही प्रातः 05: 37 से रात्रि 10: 21 तक सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। वहीं प्रीति योग जो 21 जुलाई को रात्रि 09:11पर शुरू होगा और 22 जुलाई को सायं 05:58 पर समाप्त होगा। तीसरा योग आयुष्मान योग है जो सायं 05: 58 से आरंभ होकर 23 जुलाई को दोपहर 02:36 पर समाप्त होगा।

## सावन सोमवार की तिथियां

- 22 जुलाई 2024- पहला सोमवार
- 29 जुलाई 2024-दूसरा सोमवार
- 05 अगस्त 2024- तीसरा सोमवार
- 12 अगस्त 2024- चौथा सोमवार
- 19 अगस्त 2024- पांचवा सोमवार

## सावन सोमवार का धार्मिक महत्व

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा अर्चना का विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है इस दिन जो भी मत पार्वती और भगवान भोलेनाथ की आराधना करता है उसे सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान भोलेनाथ को अपने पति के रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने कठोर तपस्या की थी। इसके फलस्वरूप महादेव ने पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करने का वर दिया। मान्यता है कि जो भी सावन के सोमवार में भगवान भोलेनाथ की पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करता है उसे मनचाहा वर या वधू प्राप्त होता है। इसके अलावा सावन के सोमवार का व्रत रखने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और इसके अलावा राहु-केतु का अशुभ प्रभाव दूर होता है।

## ऐसे करें शिवलिंग का जलाभिषेक

आचार्य दीप कुमार का कहना है कि, श्रावण मास के हर सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक किसी तीर्थ स्थल या गंगा जल से किया जाए, तो इससे भी भक्त को मोक्ष की प्राप्ति होती है. इसके अलावा शिवलिंग पर लगातार जल चढ़ाने से परिवार में सुख शांति बनी रहती है. अगर कोई व्यक्ति अपने आप को कमजोर या बीमार महसूस करता है तो उसे शिवलिंग पर गाय का शुद्ध घी चढ़ाना चाहिए, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूती मिलती है. इसके अलावा शिवलिंग पर दहीं चढ़ाने से भी धन संपत्ति से भक्तों को लाभ मिलता है और परिवार में खुशहाली बनी रहती है. भगवान शिव को कुश का जल या फिर सुगंधित इतर चढ़ाने से भी व्यक्ति के रोग दूर होते हैं.

## इन चीजों का चढ़ाएं चढ़ावा

आचार्य दीप कुमार का कहना है कि अगर सोमवार के दिन भगवान शिव का गन्ने के रस से अभिषेक किया जाए, तो इससे सांसारिक सुख भक्तों को मिलता है. वहीं, शिवलिंग पर दूध चीनी मिश्रित जल चढ़ाने से भी बच्चों का दिमाग तेज होता है और उन्हें परीक्षा में सफलता मिलती है. शिवलिंग पर बिल पत्र के पत्ते चढ़ाने से शनि ग्रह के दुष्प्रभाव से भी मुक्ति मिलती है. इसके अलावा भगवान शिव को गेहूं चढ़ाने से आज्ञाकारी पुत्र की प्राप्ति होती है और वंश में वृद्धि होती है. सोमवार को भगवान भोलेनाथ को जौ चढ़ाने से भी कष्ट दूर होते हैं और तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है. शिवलिंग पर चावल चढ़ाने से भक्त के घर में धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती है.

## सावन के नियम

- सावन में दाढ़ी, मूंछ, बाल कटवाना वर्जित है.
- भूलकर भी सावन में मांस, मदिरा का सेवन न करें. ब्रह्मचर्य का पालन करें.
- सावन में बैंगन, दूध, दही, हरी पत्तेदार सब्जियां न खाएं.
- ब्रह्म मुहूर्त में उठे, गुस्से पर काबू रखें, बुरे विचार मन में न लाएं.
- सावन सोमवार के व्रत के दिन व्यक्ति को स्वच्छता का पूरा ध्यान रखना चाहिए.

## सावन सोमवार पूजा विधि

• शिव पुराण के अनुसार शिव जी की पूजा शाम के समय श्रेष्ठ मानी गई है. वैसे तो सावन में शिव पूजा हर दिन करना श्रेष्ठ है लेकिन सोमवार खास है. पहले दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर सफेद वस्त्र धारण कर लें. सफेद शिव का प्रिय रंग है.

• घर के मंदिर में सफाई कर तांबे के पात्र में शिवलिंग रखें और एक बेलपत्र अर्पित कर तांबे या चांदी के लौटे से जल चढ़ाएं.

• पंचामृत से अभिषेक करें. अभिषेक के समय निरंतर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें.

• शिवलिंग पर अक्षत, फूल, धतूरा,सफेद चंदन, गुलाल, अबीर, इत्र, शमी पत्र चढ़ाएं. पार्वती जी की भी पूजा करें.

• खीर, हलवे, बेल के फल का भोग लगाएं. घी का चौमुखी दीपक लगाकर शिव चालीसा का पाठ करें और फिर शिव जी की आरती करें और अंत में प्रसाद बांट दें.

# नाग पंचमी

## शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

**हिंदू धर्म में नाग पंचमी के पर्व का विशेष महत्व है। नाग देवताओं को समर्पित यह पर्व देश के कुछ राज्यों में सावन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि यानी 25 जुलाई दिन गुरुवार को मनाया जाएगा। वहीं कुछ राज्यों में सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 9 अगस्त दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा। सावन मास भगवान शिव का प्रिय मास है और इस मास में शिव के गण नाग देवता की पूजा करने का भी विधान हैं। नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं नाग पंचमी का महत्व, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि...**

### नाग पंचमी पर बेहद शुभ योग

सावन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 25 जुलाई 2024 को है। इस नाग पंचमी की पूजा बिहार, बंगाल उड़ीसा, राजस्थान आदि इन क्षेत्रों में मनाया जाता है। इस दिन शुक्रादित्य योग, शोभन योग का शुभ संयोग भी रहेगा। वहीं शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि यानी 9 अगस्त को देश के अन्य राज्यों में मनाया जाएगा।

**पंचमी तिथि की शुरुआत - 25 जुलाई, सुबह 4 बजकर 40**
**पंचमी तिथि का समापन - 25 जुलाई, मध्य रात्रि 1 बजकर 59 तक**

### नाग पंचमी पूजा विधि

नाग पंचमी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होकर शिवालय में पूजा अर्चना करें और फिर व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद घर के मेन गेट, घर के मंदिर और रसोई के बाहर के दरवाजे के दोनों तरफ खड़िया से पुताई करें और कोयले से नाग देवताओं के चिन्ह बनाएं।

आजकल नाग देवताओं की फोटो बाजारों में भी मिल जाती है, आप उनका भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद पूजा अर्चना करें और दूध अर्पित करें।

घर के नाग देवताओं की पूजा करने के बाद खेतों या फिर ऐसे स्थान पर दूध का कटोरा रख दें, जहां सांपों के आने की संभावना हो।

नाग देवता की पूजा पूजा में सेवई और चावल बनाएंगे। फिर ना देवताओं की दूध और जल से स्नान करवाएं और धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करें।

इसके बाद सच्चे मन से नाग देवताओं का ध्यान करें और फिर आरती करें। आरती करने के बाद नाग पंचमी की कथा का पाठ भी करें।

### नाग पंचमी का महत्व

सावन का महीना वर्षा ऋतु का होता है और इस माह में सांप भू गर्भ से निकलकर भू तल पर आ जाते हैं। नाग निकलकर किसी को भी आहत ना कर दें, इसलिए नाग पचंमी का पूजा अर्चना की जाती है। बिहार, बंगाल आदि क्षेत्रों में कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व पूरे श्रद्धाभाव से मनाया जाता है। शास्त्रों व पुराणों में बताया गया है कि पंचमी तिथि के स्वामी स्वयं नागदेव हैं और इन दिनों सांपों की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी और घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इस दिन नाग देवताओं की पूजा करने से कुंडली में मौजूद राहु व केतु से संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है और कालसर्प दोष की पूजा भी करवाई जाती है। पंचमी के दिन इनकी पूजा करने से सभी तरह की रुकावट दूर रहती हैं और मनुष्य को सांपों के भय से मुक्ति भी मिलती है। पुराणों में बताया गया है कि नाग देवता पाताल के स्वामी हैं इसलिए नाग पंचमी या किसी भी अन्य पंचमी के दिन व्यक्ति को भूमि की खुदाई करने से बचना चाहिए।

# 'मैं आजाद हूं', चंद्रशेखर तिवारी यूं बने थे 'आजाद'

**भारत को आजाद कराने के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जिंदगी कुर्बान कर दी थी। उन्हीं महान स्वतंत्रता सेनानियों में एक नाम 'चंद्रशेखर आजाद' का है। हालांकि, इनका असली नाम चंद्रशेखर तिवारी था, लेकिन आजाद इनकी पहचान कैसे बनी इसके पीछे भी एक कहानी है। आजाद कहते थे 'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, हम आजाद हैं और आजाद ही रहेंगे।'**

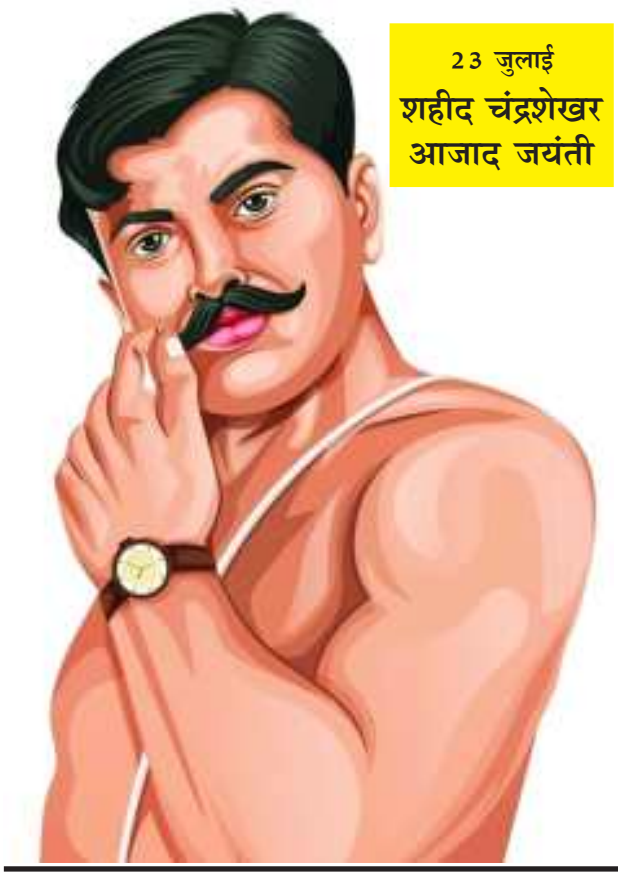

23 जुलाई
**शहीद चंद्रशेखर आजाद जयंती**

23 जुलाई को देश के महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्मदिन है। यह एक ऐसे युवा क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपनी जान दे दी। उन्होंने ठान लिया था कि वे कभी भी अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे और अंग्रेजों की गुलामी की हुकूमत से खुद को आखिरी सांस तक आजाद रखा। उन्होंने बेहद कम उम्र में ही अपनी जिंदगी को देश के नाम कर दिया था। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हम आपको उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ बेहद रोचक बातों के बारे में बताएंगे।

### चंद्रशेखर आजाद की जीवनी

चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्यप्रदेश के भाबरा गांव में हुआ था। मूल रूप से उनका परिवार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बदरका गांव से था, लेकिन पिता सीताराम तिवारी की नौकरी चली जाने के कारण उन्हें अपने पैतृक गांव को छोड़कर मध्यप्रदेश के भाबरा जाना पड़ा था। चंद्रशेखर आजाद का नाम चंद्रशेखर तिवारी था। वह बचपन से ही काफी जिद्दी और विद्रोही स्वभाव के थे।

चंद्रशेखर का पूरा बचपन आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र झाबरा में ही बीता था। यहां पर उन्होंने बचपन से ही निशानेबाजी और धनुर्विद्या सिखी। लगातार मौका मिलते ही वो इसकी अभ्यास करने लगे, जिसके बाद यह धीरे-धीरे उनका शौक बन गया।

### कम उम्र में ही देश के लिए नाम कर दी जिंदगी

पढ़ाई से ज्यादा चंद्रशेखर का मन खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में लगता था। जलियांवाला बाग कांड के दौरान आजाद बनारस में पढ़ाई कर रहे थे। इस घटना ने बचपन में ही चंद्रशेखर को अंदर से झकझोर दिया था। उसी दौरान उन्होंने ठान ली थी कि वह ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। इसके बाद उन्होंने यह तय कर लिया कि वह भी आजादी के आंदोलन में उतरेंगे और फिर महात्मा गांधी के आंदोलन से जुड़ गए।

### चंद्रशेखर तिवारी को मिला आजाद का नाम

1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़ने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई। उस दौरान जब उन्हें जज के सामने पेश किया गया, तो उनके जवाब ने सबके होश उड़ा दिए थे। जब उनसे उनका नाम पूछा गया, तो उन्होंने अपना नाम आजाद और अपने पिता का नाम स्वतंत्रता बताया। इस बात से जज काफी नाराज हो गया और चंद्रशेखर को 15 कोड़े मारने की सजा सुनाई।

### सुनाई गई 15 बेंत की सजा

आदेश के बाद, बालक चंद्रशेखर को 15 बेंत लगाई गई, लेकिन उन्होंने उफ्फ तक नहीं की थी और हर बेंत के साथ उन्होंने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया। आखिर में सजा भुगतने के एवज में उन्हें तीन आने दिए गए, जो वह जेलर के मुंह पर फेंक आए थे। इस घटना के बाद से ही चंद्रशेखर तिवारी को दुनिया चंद्रशेखर आजाद के नाम से जानने लगी। आज भी कोई यह नाम लेता है, तो मूंछ पर ताव देने वाले एक पुरुष की छवि आंखों के सामने आ जाती है।

### बनारस था क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र

दरअसल, बनारस उन दिनों भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र था। बनारस में वह देश के महान क्रांतिकारी मन्मथनाथ गुप्त और प्रणवेश चटर्जी के संपर्क में आए और क्रांतिकारी दल 'हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ' के सदस्य बन गए। हालांकि, शुरुआत में यह दल गरीब लोगों को लूटते और अपनी जरूरतों को पूरा करते थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें समझ आने लगा कि अपने लोगों को दुख पहुंचाकर वे कभी भी उनका समर्थन हासिल नहीं कर पाएंगे। इसके बाद इस दल का उद्देश्य केवल सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा कर अपनी क्रांति के लक्ष्यों को प्राप्त करना बन गया।

**(शेष पेज 6 पर)**

साप्ताहिक समय माया

## HOME REMEDY

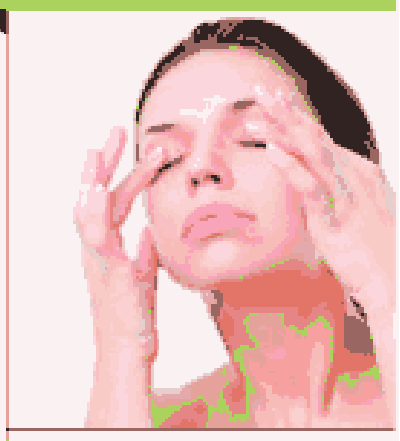

### आंखों को राहत

एक नैपकिन में आइस क्यूब लपेट लें और अपनी आंखों पर रखें। थकी हुई आंखों के चारों ओर आइस क्यूब रगड़ें आंखों की सूजन दूर होगी। ठंडे खीरे की स्लाइस काटें और उन्हें अपनी एक एक आंख पर कुछ देर के लिए रखें। इससे आंखों को आराम मिलेगा और झुर्रियां नहीं पड़ेंगी।

### सिरदर्द हो तो..

सिर दर्द होने पर गुनगुने पानी में अदरक व नींबू का रस व थोड़ा सा नमक मिलाकर पीने से आराम मिलता है।

### जलन होने पर

शरीर में किसी भी भाग या हाथ-पैर में जलन होने पर तरबूज के छिलके के सफेद भाग में कपूर और चंदन मिलाकर लेप करने से जलन शांत होती है।

### जोड़ों में दर्द

जोड़ों पर नीम के तेल की हल्की मालिश करने पर आराम मिलता है।

### घमौरियों में आराम

घमौरियों में सरसों के तेल में बराबर का पानी मिलाकर फेंट लें व घमौरियों पर लगाएं, शीघ्र आराम मिलेगा।

### उल्टी आए तो

किन्हीं कारणों से उल्टी होने लगे और रुकने का नाम नहीं ले, तो तुलसी के रस में बराबर की मात्रा में शहद मिला कर चाटने से उल्टी बन्द हो जाती है।

# 'अंग्रेजों को दांतों तले चबवाए थे चने'

पेज 5 का शेष

### इतिहास के अमर पन्नों में सुनहरे हर्फों में दर्ज है काकोरी कांड

दल ने पूरे देश को अपना उद्देश्य बताने के लिए अपना मशहूर पैम्फलेट 'द रिवोल्यूशनरी' प्रकाशित किया। इसके बाद उस घटना को अंजाम दिया गया, जो भारतीय क्रांति के इतिहास के अमर पन्नों में सुनहरे हर्फों में दर्ज काकोरी कांड है। काकोरी कांड से शायद ही कोई अनजान होगा। दरअसल, इस दौरान दल के दस सदस्यों ने काकोरी ट्रेन लूट को अंजाम दिया था और अंग्रेजों को खुली चुनौती दे दी। इस कांड के लिए देश के महान क्रांतिकारियों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल?ला खां, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

### भगत सिंह के साथ मिलकर बनाया नया दल

इस घटना के बाद दल के ज्यादातर सदस्य गिरफ्तार कर लिए गए और दल बिखर गया। इसके बाद आजाद के सामने एक बार फिर दल खड़ा करने का संकट आ गया। हालांकि, अंग्रेज सरकार आजाद को पकड़ने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन वह छिपते-छिपाते दिल्ली पहुंच गए। दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में सभी बचे हुए क्रांतिकारियों की गुप्त सभा आयोजित की गई। इस सभा में आजाद के साथ ही महान क्रांतिकारी भगत सिंह भी शामिल हुए थे। इस सभा में तय किया कि दल में नए सदस्य जोड़े जाएंगे और इसे एक नया नाम दिया जाएगा। इस दल का नया नाम 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' रखा गया। आजाद को इस दल का कमांडर-इन-चीफ बनाया गया।

### सांडर्स की हत्या और असेंबली में बम के बाद फिर बिखर गया दल

इस दल ने गठन के बाद कई ऐसी गतिविधियां की, जिससे अंग्रेजी हुकूमत इनके पीछे पड़ गई। 1928 में साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान

लाला लाजपत राय की मौत हो गई. इसके बाद भगत सिंह, सुखदेव ,राजगुरु ने उनकी मौत का बदला लेने का फैसला किया। इन लोगों ने 17 दिसंबर, 1928 को लाहौर के पुलिस अधीक्षक जेपी सांडर्स के दफ्तर को घेर लिया और राजगुरु ने सांडर्स पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

### दिल्ली असेंबली मामले में सुनाई गई फांसी की सजा

इसके बाद आयरिश क्रांति से प्रभावित भगत सिंह ने दिल्ली असेंबली में बम फोड़ने का निश्चय किया, जिसमें आजाद ने उनका साथ दिया। इन घटनाओं के बाद अंग्रेज सरकार ने इन क्रांतिकारियों को पकड़ने में पूरी ताकत लगा दी और आरोप में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई गई। इससे आजाद काफी आहत हुए और उन्होंने भगत सिंह को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दल के लगभग सभी लोग गिरफ्तार हो चुके थे, लेकिन फिर भी काफी समय तक चंद्रशेखर आजाद ब्रिटिश सरकार को चकमा देते रहे। आजाद ने ठान ली थी कि वो जीते जी अंग्रेजों के हाथ नहीं लगेंगे।

### चंद्रशेखर आजाद कैसे शहीद हुए?

अंग्रेज सरकार ने राजगुरु, भगतसिंह और सुखदेव की सजा को किसी तरह कम या उम्रकैद में बदलने के लिए वे इलाहाबाद पहुंचे। उस दौरान अंग्रेजी हुकूमत को इसकी भनक लग गई कि आजाद अल्फ्रेड पार्क में छुपे हैं। उस पार्क को हजारों पुलिस वालों ने घेर लिया और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए कहा, लेकिन उस दौरान वह अंग्रेजों से अकेले लोहा लेने लगे। इस लड़ाई में 20 मिनट तक अकेले अंग्रेजों का सामना करने के दौरान वह बुरी तरह से घायल हो गए। आजाद ने लड़ते हुए शहीद हो जाना ठीक समझा। इसके बाद आजाद ने अपनी बंदूक से ही अपनी जान ले ली और वाकई में आखिरी सांस तक वह अंग्रेजों के हाथ नहीं लगे। 27 फरवरी, 1931 को वह अंग्रेजों के साथ लड़ाई करते हुए हमेशा के लिए अपना नाम इतिहास में अमर कर गए। चंद्रशेखर आजाद का अंतिम संस्कार भी अंग्रेज सरकार ने बिना किसी सूचना के कर दिया।

# अमेरिकी माइक्रोसॉफ्ट का सर्वर बंद होना अच्छा संकेत

पेज 1 का शेष

जिससे बेरोजगारी की आधी समस्या का अंत तत्काल हो जाएगा। दूसरी तरफ इस इंटरनेट के मकड़ जाल का सबसे बड़ा व बुरा असर हमारी घुटनों से उठकर पैदल चलने वाली पीढ़ी से लेकर पूरी युवा मध्य बुजुर्ग पीढ़ी पर अत्यधिक घातक पड़ रहा है।? जो सबसे ज्यादा एक जैसे मोबाइल को पकड़ कर बैठे रहने के कारण उनका मस्तिष्क आंखें कान कमजोर होने के साथ शरीर भी कमजोर हो रहा है और दूसरी तरफ सबसे महत्वपूर्ण उनकी अपनी स्वयं की सोचने की क्षमता खत्म हो रही है। जो आने वाले विश्व के लिए अत्यधिक घातक होगी दूसरी तरफ इस इंटरनेट की संचार क्रांति की मकर जल के माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियां जो जनता के बच्चों की, युवाओं मध्य व बुजुर्ग व्यक्तियों की आदतों का अध्ययन उनके व्यावसायिक दुरुपयोग कर ही रही है इसके साथ ही यथार्थ में षडयंत्रकारी अमेरिका, चीन जैसे देश, चूंकी सरकार की सभी कार्यप्रणाली अब इंटरनेट पर निर्भर हो चुकी है इसलिए उनके दस्तावेजों कार्य कलापों वित्तीय, आर्थिक सामाजिक, सामरिक, औद्योगिक बाजार व्यवस्था आदि की भी सभी प्रकार से निगरानी और जासूसी करने के साथ अपने व्यावसायिक उपयोग के साथ उसका बिजनेस करने में भी उपयोग कर रही है इसलिए परम शक्ति प्रकृति से विनम्र प्रार्थना हैकि यह इंटरनेट का माकड़ जान स्वीकृति शीघ्र दुनिया से खत्म हो ताकि दुनिया की जनता सामान्य तरह से जीवन यापन कर सके हाल ही में हुए माइक्रोसॉफ्ट के विंडो क्रॉस से दुनिया में क्या प्रभाव पड़ा और समाचार पत्र में उसकी क्या प्रतिक्रिया रही इसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है।

# नाकों की व्यवस्था हटा जांच चौकी से वसूली का खेल यथावत

पेज 8 का शेष

प्रदेश की सीमाओं पर चेक पोस्ट बंद, अब जांच चौकियों से हो रही अवैध वसूली

जिसमें वाहनों के पंजीयन अंतरण नवीनीकरण फिटनेस आदि में भी भारी करोड़ों रुपए प्रतिदिन की भ्रष्टाचार की कमाई की जाती है इसमें भी आप समझ सकते हैं जिन 24 सीटर 35 सीटर बसों को चलाने की अनुमति निजी क्षेत्र में सिटी बस के रूप में चलने के लिए इंदौर-भोपाल-ग्वालियर-जबलपुर-रीवा-उज्जैन आदि में परेशानी आती थी वही आप 52 सीटर बसें जिन्हें सिटी बस में 35 सीटर में दिखाया जाता है उनका पंजीयन करके धरने से दुदाई जा रही है और उनका पंजीयन शुल्क भी 35 सीटर के रूप में दिखा बताकर जो नगर निगम पालिकाएं सिटी बस व अन्य 35 सीटर के रूप में चला रहे हैं उसमें भी अरबो रुपए का शासन को स्वयं शासन के विभाग ही हानि पहुंचा रहे हैं।

फिर यात्री बसों के मामले में पूरे मध्य प्रदेश में जानबूझकर राज्य परिवहन निगम को बंद कर निजी क्षेत्र में पुरुषों का संचालन किया जा रहा है उसके परमिट में भी करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया जाता है। जिसके हिस्सेदारी में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कलेक्टर कमिश्नर निगम आयुक्त महापौर आदि की समिति यात्री बसों व वाहनों के परमिट मोटी वसूली करके ही जारी करती है।

चालकों की नई, नवीनीकरण साधारण, व्यावसायिक, भारी वाहन आदि के चालन की अनुज्ञप्ति मैं जो केंद्र सरकार ने ढाई सौ रुपए का शुल्क लगाया था। उसे मध्य प्रदेश सरकार 10 गुना ज्यादा ढाई से 5000 तक वसूलते हैं।

वैसे तो परिवहन विभाग में चपरासी और बाबूओं से लेकर कांस्टेबल सहायक उप व निरीक्षक तक सब करोड़पति होते हैं और परिवहन विभाग की मलाई वाले पदों पर आने के लिए मोटा धान चुका कर ही आते हैं। तो समझा जा सकता है कि इंदौर में बैठा क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जो इंदौर में प्रदीप शर्मा, भोपाल में संजय तिवारी के सेवानिवृत होने के बाद पद खाली है ग्वालियर में एच के सिंह, नवोदय फॉर्म में निशा चौहान जबलपुर में जितेंद्र सिंह रघुवंशी रीवा में मनीष कुमार त्रिपाठी सागर में सुनील कुमार शुक्ला शहडोल में आशुतोष सिंह भदोरिया उज्जैन में संतोष कुमार मालवीय जो क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के रूप में बैठकर भारी मोटी वसूली कर रहे हैं।

बेशक भोपाल-इंदौर-ग्वालियर-जबलपुर इन चारों बड़े शहरों में प्रतिदिन लगभग उनके कार्यालय में कर्मचारी और अधिकारी मिलकर पांच से 10 करोड रुपए प्रतिदिन की वसूली करते हैं। जिला स्तर पर यह लगभग 50 लाख से 2 करोड रुपए प्रति दिन तक की होती है।

हाल ही में प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री ने जो चेक पोस्ट हटाने के लिए कहा था उन्होंने वह चेक पोस्ट तो हटा दी परंतु उसका नाम बदलकर अब जांच चौकी कर दिया और उन्होंने फिर से ल वसूली की डकैती का कारोबार शुरू कर दिया है। इससे परिवहन व्यवसाय से जुड़े व्यवसाईयों में बहुत आक्रोश है।

**अग्निबाण द्वारा छापी निम्न अनुसार खबर**

# शहरों में बढ़ता कुत्तों का आतंक

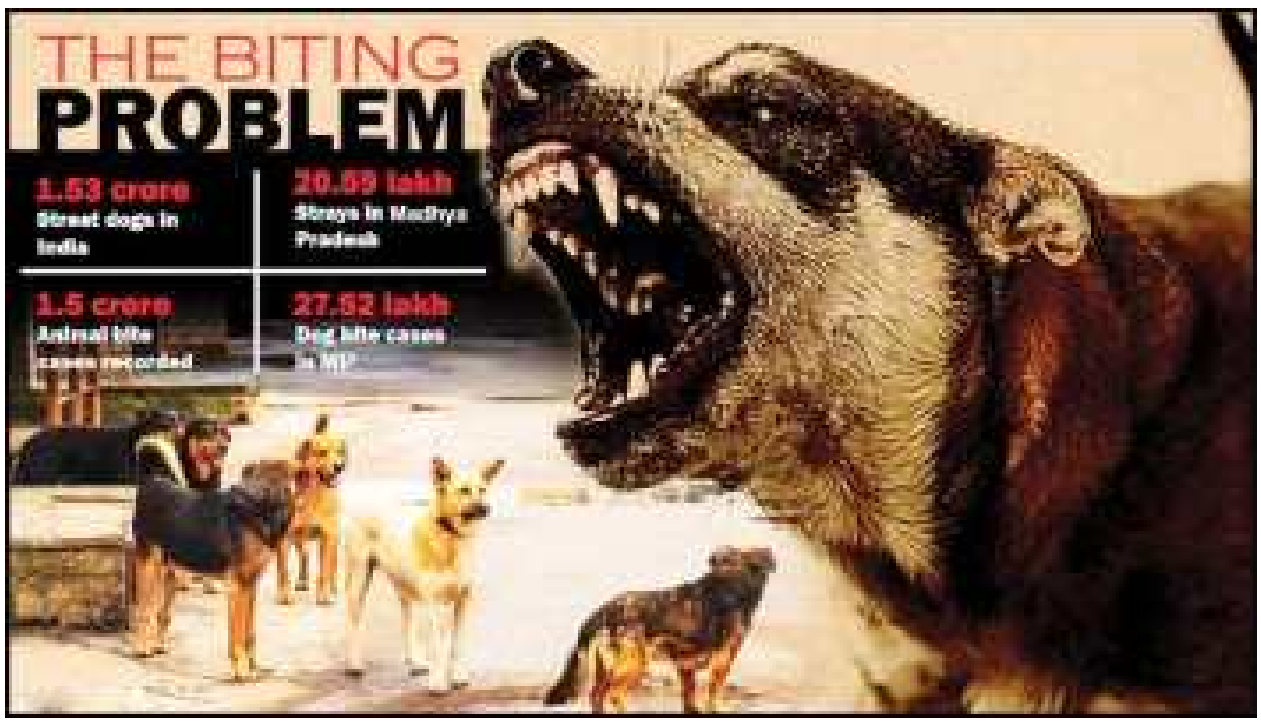




**पेज 8 का शेष**

रेबीज़ उस जीवाणु से संक्रमित जानवरों (आमतौर पर चमगादड़, रैकून, लोमड़ी और स्कंक) से फैल सकता है। टीकाकरण के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में पालतू जानवरों में रेबीज़ दुर्लभ है, लेकिन उन देशों में जहाँ जानवरों को टीका लगाए जाने की संभावना कम है, पालतू जानवरों के काटने से रेबीज़ फैल सकता है।

### इलाजः घाव की सफाई

नियमित प्राथमिक उपचार प्राप्त करने के बाद, जिन लोगों को किसी जानवर ने काटा है, उन्हें तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यदि संभव हो, तो अपराधी जानवर को उसके मालिक द्वारा बाड़े में बंद कर देना चाहिए। यदि जानवर खुला है, तो काटे गए व्यक्ति को उसे पकड़ने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। पुलिस को सूचित किया जाना चाहिए ताकि उचित अधिकारी जानवर में रेबीज के लक्षणों की जांच कर सकें।

डॉक्टर जानवर के काटने पर घाव को साफ करने के लिए उसमें नमक का पानी (सलाइन) डालते हैं और फिर साबुन और पानी से उसे साफ करते हैं। कभी-कभी काटने के घाव के किनारे से ऊतक को काट दिया जाता है, खासकर अगर ऊतक कुचला हुआ या खुरदुरा हो।

### होम्योपैथिक उपचारः

**एकोनाइट** - किसी जानवर के हमले और काटने के बाद बहुत डर लग सकता है। सदमे से राहत पाने के लिए सबसे पहले एकोनाइट दिया जाना चाहिए।

**अर्निका** - सभी घावों और चोटों की तरह, अर्निका रक्तस्राव, सूजन, चोट और सभी घावों के सामान्य उपचार में मदद कर सकता है। यह प्रमुख उपाय है और सबसे अधिक उपलब्ध है। यदि घाव के बारे में कुछ और विशिष्ट नहीं है, तो अर्निका लगभग हमेशा मदद करता है।

**आर्सेनिकम एल्बम** - जब घाव में जलन हो रही हो और सूजन या संक्रमण हो रहा हो। अगर आर्सेनिकम जलन वाले संक्रमण में काम नहीं करता है तो एंथ्राक्सिनम या पाइरोजेनियम का इस्तेमाल करें। आर्सेनिकम काटने के बाद होने वाले सिरदर्द में भी मदद कर सकता है।

**बेलाडोना** - काटने के बाद तेज़ बुखार। घाव गर्म और लाल हो जाता है और सूजन आ जाती है। कुत्ते के काटने और रेबीज़ के इलाज के लिए अच्छा है।

**कैलेंडुला** - घाव और फटे हुए ऊतकों के बाद। यह मदर टिंचर या पोटेंसी में बाँझ पानी में खुले घावों को सींचने या घावों के आस-पास की त्वचा पर लगाने के लिए भी अच्छा है ताकि उपचार को बढ़ावा मिले। यह बहुत एंटीसेप्टिक है।

**हेपर सल्फ** – घाव के संक्रमित हो जाने के बाद, जिसमें बहुत अधिक मवाद और दुर्गंध आने लगती है। बंद छिद्रित घाव में मवाद को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से अच्छा है।

**हाइपरिकम** - सभी छेदे हुए घावों और बहुत दर्दनाक घावों के लिए विशेष रूप से अच्छा है। उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक, कानों को काटता है। तंत्रिका मार्गों के साथ बहुत दर्द के साथ काटता है।

**लैकेसिस** - काटने पर नीलापन और दर्द। काटने के बाद बेहोशी।

**लेडम** - यह विशेष रूप से पंचर घाव पर काटता है। काटने का स्थान ठंडा, नीला हो जाता है। रेबीज को विकसित होने से रोकने में सहायक है। चूहों के काटने के लिए भी अच्छा है।

**लाइसिन** - रेबीज नोसोड। सभी प्रकार के काटने के लिए एक बहुत अच्छा उपाय, खास तौर पर कुत्तों और बिल्लियों में। सबसे पहले सोचने वाली दवाइयों में से एक। बिल्ली के खरोंच से होने वाले बुखार में अक्सर लाइसिन से अच्छी प्रतिक्रिया मिलती है।

**स्ट्रैमोनियम** - उन्नत रेबीज़ संक्रमण में अग्रणी उपाय। स्ट्रैमोनियम और बेलाडोना के बारे में सोचें।

## हैदराबाद में आवारा कुत्तों के झुंड ने 18 महीने के बच्चे को बुरी तरह नोंचा, दर्दनाक मौत

हैदराबाद के पास जवाहर नगर से आवारा कुत्तों के एक झुंड की तरफ से 18 महीने के एक बच्चे पर हमला करने का मामला सामने आया है। कुत्तों के झुंड ने इस मासूम को बुरी तरह नोंच डाला, जिससे इसकी मौत हो गई। हैदराबाद पुलिस की तरफ से ये जानकारी सामने आई है। उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार रात को हुई जब बच्चा परिवारजन के साथ अपने घर से बाहर निकला और एक कुत्ता उसे कुछ दूर तक घसीट कर ले गया और बाद में कुछ आवारा कुत्तों ने उसे काट लिया जिससे वह घायल हो गया। बच्चे को शुरू में एक निजी अस्पताल ले जाया गया और वहां से एक सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई।



मध्यप्रदेश में अफसर बचाएंगे कुत्तों से

7 आईएएस सहित 15 अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी

## कुत्ता काटने का घरेलू इलाज

### 7 नुस्खों को अपनाने से बच जाएगी जान

दुनिया भर में वैसे तो ढेरों पालतू जानवर होते हैं लेकिन डॉग को पालना सबसे ज्यादा लोग पसंद करते हैं। कुत्ता सबसे वफादार जानवर होता है और अपने इसी गुण की वजह से लोग उसे घरों में एक फैमिली मेंबर की तरह रखते हैं। इतना ही नहीं, डॉग हमारी भारतीय सेना का भी अहम हिस्सा होते हैं जिनका बॉर्डर पर दुश्मन को पकड़ने और पहचानने में अहम योगदान होता है, चूंकि वे बहुत ट्रेंड होते हैं। लेकिन वहीं अगर कोई डॉग परिवार या गली मोहल्ले में रहने वाला होता है, तो छेड़ने पर वे आप हमला भी कर सकते हैं। बता दें कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इन पालतू जानवरों से कितना प्यार करते हैं लेकिन कुछ कुत्तों में इंसानों को काटने की प्रवृत्ति होती है। कुत्ते के काटने पर डॉक्टर के पास जाते हैं तो एंटी-टिटनेस और एंटी-रेबीज के इंजेक्शन लगवाने की सलाह देते हैं। लेकिन यदि ग्रामीण इलाके या किसी इंटीरियर एरिया में किसी को कुत्ते ने काट लिया तो चिकित्सक का मिलना मुश्किल रहता है, ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों के जरिए अपना इलाज करा सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुत्ते के काटने से बने घाव को मिटाने का देसी और प्राकृतिक उपचार बता रहे हैं जो डॉग बाइट के खिलाफ रामबाण इलाज हैं।

### इलाज से पहले इन बातों पर दें ध्यान

जयपुर के पेट डॉक्टर योगेंद्र पाल के अनुसार, किसी भी चोट को साफ रखना आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। कुत्ते के काटने के तुरंत बाद उसे साबुन और पानी से धोना चाहिए। यह इसे हाइजीनिक रूप से सुरक्षित रखेगा और संक्रमण के जोखिम को कम करेगा। सबसे पहले जिस जगह पर कुत्ते ने काटा है उसे पानी और साबुन से कम से कम 4-5 बार अच्छे से धोएं। डॉक्टर का कहना है कि जब तक पूरी स्किन साफ नहीं होती तब तक उसे साफ करें, न कि काटने के तुरंत बाद कुछ भी अप्लाई करें। खून बहने से रोकने के लिए काटने के ऊपर एक साफ तौलिये रख दें। संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक मलहम लगाएं। समय पर एंटी-रेबीज या एंटी-टेटनस का इंजेक्शन लगवाएं और कुत्ते और घटना के बारे में हर विवरण डॉक्टर को बताएं।

### नीम और हल्दी का पेस्ट

डॉक्टर के अनुसार, नीम और हल्दी का पेस्ट कुत्ते के काटने के घरेलू उपचार में से एक माना जाता है। यह एक प्राकृतिक पेस्ट है जिसे आप चोट के ठीक बाद लगा सकते हैं। बस नीम के पत्तों और हल्दी को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें। इसे प्रभावित त्वचा पर लगाएं। नीम एक हीलिंग एजेंट है जिसका इस्तेमाल कई दवाओं में भी किया जाता है। दोनों जड़ी-बूटियों में घाव को कम करने वाले गुण होते हैं।

### जीरा

जीरे में बैक्टीरिया को खत्म करने और इम्यूनिटी बढ़ाने की क्षमता होती है। कुछ जीरा लें और उसमें पानी मिलाएं। इसका पेस्ट बनाकर प्रभावित जगह पर लगाएं। कुत्ते के काटने पर भी यह एक उपयोगी उपाय साबित हो सकता है।

### लहसुन

लहसुन में जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो कुत्ते के काटने को ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस लहसुन को ब्लेंड करना है और उसमें थोड़ा सा नारियल का तेल मिलाएं। फिर इसे कुत्ते के काटने के घाव पर लगाएं, आपको इससे चुभन हो सकती है लेकिन ये नुस्खा असरदार है। इससे आपका घाव जल्दी ठीक होगा और टॉक्सिसिटी का असर भी कम होगा।

### सरसों का तेल

कुत्ते के काटने की चोट को ठीक करने के लिए यह बहुत ही फायदेमंद इलाज है। जिस जगह आपको कुत्ते ने काटा है वहां सरसों का तेल लगाने से आप प्रभावी परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इसके एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण काटने को ठीक करने में मदद करेंगे।

### नींबू का रस

नींबू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है जो कुत्ते के काटने के इलाज में भी सहायक हो सकता है। जल्दी ठीक होने और संक्रमण से बचने के लिए आप घाव पर नींबू का रस लगा सकते हैं। यह थोड़ी देर के लिए चुभ सकता है लेकिन बहुत जल्द ठीक हो जाएगा।

### केला के पत्ते

केला के पत्तों में एंटीबायोटिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। केले के पत्ते लगाने के लिए आपको उन्हें कुचलकर या पीसकर पानी में मिलाना है। इसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर कुत्ते के काटने पर लगी चोट पर लगाएं। इसे सूखने दें और इसे बार-बार लगाते रहें। यह लगातार दर्द और खुजली से भी राहत दे सकता है।

साप्ताहिक समय माया

# शहरों में बढ़ता कुत्तों का आतंक

## पालिकाओं व निगमों की कुत्तों के सफाये नियंत्रण की नाकामियां फिर भी कागजों पर अरबो खर्च फिर भी जनता परेशान, लहुलुहान

## काटने व आक्रमण की घटनायें रोजाना

देश के सभी शहरों से लेकर गांव तक की मानव आबादी में कुत्तों का आतंककाटने की घटनाएं बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक झुंड में आक्रमण से मौत की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। जिसके बारे में हर दिन देश के बड़े से लेकर छोटे समाचार पत्रों तक में सतत समाचार प्रवाहमान रहते हैं। पिछले इंदौर में ही 20 वर्षों से कुत्तों को पकड़ बाहर जंगलों में छोड़ने भेजने के साथ अरबो रुपए की पिछले 20 वर्षों में कुत्तों की नसबंदी पर कागजों पर खर्च कर दिए गए पर कुत्तों के आक्रमण लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सुबह शाम रात्रि में एकांत में मिलने पर कुत्तों के झूठ आक्रमण करके घायल करने से लेकर मृत्यु तक कर देते हैं। निगम पालिकाओं के कर्मचारी ज्यादा हल्ला मचाने या किसी प्रभावशाली आदमी को काट लेने पर कुत्तों को मजबूरी में बे मन से पकड़ते भी है तो यहां से पकड़ कर दूर दूसरे मोहल्ले में छोड़ जाते हैं। जहां तक नसबंदी का सवाल था तो उसका सारा पैसा ठेका लेने वाली फर्म को देने वाले से लेकर महापौर आयुक्त उपायुक्त में ही बंदर बांट में हजम कर लिया गया। पर जनता की समस्या बनी रही और रोज शहर में 300 से 500 कुत्ते काटने की घटनाएं होती हैं जो कुछ इंदौर के लाल अस्पताल में वह अन्य सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी आर्थिक समर्थ के अनुसार टीके लगवाने का कार्य कर लेते हैं परंतु इससे कलेक्टर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ निगम के महापौर आयुक्त स्वास्थ्य अधिकारी आदि को कोई खास फर्क नहीं पड़ता यही हाल प्रदेश

## सुरक्षित आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक चिकित्सा व औषधियां

और देश के हर जिले का है।

मुझे भी 14 जुलाई की रात्रि 11:00 बजे प्रेस कांप्लेक्स में भास्कर के पास कूतरे लपके तो एक तरफ कुत्तों को भगाने में दूसरी तरफ पैर को कुत्ते ने लपक कर सैंडल में से दांत गड़ा दिया था। तत्काल हल्दी चूना लगाने के बाद होम्योपैथिक अर्निका 200 ली। रक्त के साथ घाव और दर्द सभी खत्म हो गया फिर भी एक टिटनेस और दो इंजेक्शन लगवाए। पर अंतरराष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रेबीज व अन्य सभी प्रकार के टीकों के और अंत में कोरोना के टीके का मौत का षड्यंत्रकारी खेल देखकर एलोपैथिक औषधियां से विश्वास उठ गया। इसलिए वर्तमान से 100 वर्ष पूर्व जब एलोपैथिकचिकित्सा ज्यादा फैली नहीं थी तब भी तो भारत में और विदेशों में सभी प्रकार के कीड़े जानवर आदि के काटने पर चिकित्सालय की जाती थी इसलिए उसका अध्ययन किया। आयुर्वेदिक होम्योपैथिक दवाइयों के बारे में अध्ययन किया जो जनता के सुलभ संदर्भ के लिए प्रस्तुत है।

### कुत्तों के काटने और होम्योपैथी से उसका इलाज

घरेलू पालतू जानवरों के रूप में उनकी लोकप्रियता के कारण, कुत्ते अपने मालिकों और क्षेत्र की रक्षा के परिणामस्वरूप अधिकांश काटने के लिए जिम्मेदार होते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 10 से 20 लोग, जिनमें से अधिकांश बच्चे हैं, हर साल कुत्तों के काटने से मर जाते हैं। कुत्ते के काटने पर आमतौर पर घाव और घाव दिखाई देते हैं। बिल्ली के काटने पर गहरे छेद हो जाते हैं जो अक्सर संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित काटने से दर्द होता है, सूजन होती है और लालिमा होती है।

( शेष पेज 7 पर )

## प्रदेश के नाकों पर जांच चौकी की वाहनों से डकैती शुरू

# नाकों की व्यवस्था हटा जांच चौकी से वसूली का खेल यथावत

### प्रतिदिन लगभग 40 नाकों से 200 करोड़ की वसूली का खेल कैसे खत्म कर कमाई बंद करें

मध्य प्रदेश के अंतर राज्यीय नाकों पर परिवहन विभाग के पिछले 20 साल से ज्यादा समय से चल रहे चेक पोस्ट पर लगभग प्रतिदिन रू. 200 करोड़ की मालवाहकों से लेकर यात्री वाहनों से वसूली होती थी। जिससे घोर भ्रष्ट मुख्यमंत्री मोहन यादव परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मुख्य सचिव या अतिरिक्त मुख्य सचिव घोर जालसाज भ्रष्ट डकैत एस एन मिश्रा, सचिव सीबी चक्रवर्ती, आयुक्त डीपी गुप्ता अतिरिक्त आयुक्त उमेश जोगा, संयुक्त आयुक्त नरोत्तम भार्गव प्रशासन प्रभारी संयुक्त आयुक्त प्रमोद सक्सेना परिवहन के साथ जिनका मुख्यालय ग्वालियर है परंतु बैठने नहीं है वहां पर, अधिकांश के कार्य भोपाल से ही चला करते हैं। उपायुक्त भोपाल संभाग खाली पड़ा है। इंदौर संभाग में उपायुक्त राजेश राठौर, उज्जैन संभाग राजेश बाथम जबलपुर संभाग में प्रभारी उपायुक्त शेर सिंह मीणा बाकी सारे उपायुक्त के 10 संभागों के पद खाली पड़े हुए हैं जिसमें नर्मदापुरम, शहडोल, रीवा, ग्वालियर चंबल सागर संभाग उपायुक्त विहीन हैं। जितने कम से कम अधिकारी कर्मचारी होंगे प्रदेश में परिवहन विभाग में 200 करोड़ की जो लूट नाखून पर हो रही थी उसी प्रकार से लगभग सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में प्रतिदिन 2 से 10 करोड रुपए प्रतिदिन की लूट की जाती है।

( शेष पेज 6 पर )

साप्ताहिक
समय माया
samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन ( प्रिंट एवं वीडियो ) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958